जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 08 जनवरी 2019

जामिया के बी.एससी एरनाॅटिक्स एंड एअरक्राफ्ट मेंटेनेन्स इंजीनियरिंग कोर्स को डीजीसीए की मान्यता

भारत सरकार के डाइरेक्टोरेट जनरल आॅफ सिविल एविएशन:डीजीसीएः ने सरकारी उपक्रम पवन हंस लिमिटेड:पीएचलएः को जामिया मिल्लिया इस्लामिया के बी.एससी एरनाॅटिक्स एंड एअरक्राफ्ट मेंटेनेन्स इंजीनियरिंग कोर्स को चलाने की मंजूरी दे दी है।

जामिया का बी. एससी एरनाॅटिक्स तीन साल का अंडर ग्रैजूएट कोर्स है जो वैमानिकी के क्षेत्र में छात्रों को आधुनिक शिक्षा प्रदान करता है। डीजीसीए की इस अनुमति से जेएमआई में एक प्रशिक्षण संगठन स्थापित किया गया है जिसका मकसद छात्रों को वैमानिकी के क्षेत्र में नवीनतम प्रौद्योगिकी से अवगत कराना और उसके मुताबिक प्रशिक्षण देना है।

इस व्यवस्था से जेएमआई के इस कोर्स के छात्र सीएआर 66 की आवश्यकताओं के अनुरूप माड्यूल का प्रशिक्षण ले सकेंगे जिससे उन्हें डीजीसीए का लाइसेंसे मिल सकेगा। इस ट्रेनिंग सलेबस को पूरा करने पर छात्रों को पीएचएल-सीएआर147 की ओर से सर्टिफिकेट आॅफ रिकगनिशन और जेएमआई की तरफ से बी.एसी एरनाॅटिक्स की डिग्री मिलेगी।

बी.एसी एरनाॅटिक्स तीन साल का डिग्री कोर्स है जिसमें छात्रों को वैमानिकी क्षेत्र का विश्व स्तरीय आधुनिक ज्ञान दिया जाता है।

विश्व भर में तेजी से बढ़ रहे वैमानिकी उद्योग को देखते हुए जेएमआई का यह कोर्स भारत के छात्रों को काफी दूरगामी लाभ देगा।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक